

पाठ : द्रौपदी - स्वयंवर

पूर्व ज्ञान/ विषय वस्तु पाठ्येतर विषय वस्तु	अधिगम उद्देश्य	
	सामान्य	विशिष्ट
पूर्व ज्ञान: कर्ण पूर्वज्ञान संबन्धित प्रश्न- परिशिष्टसंख्या-11अ/१ विषय वस्तु- द्रौपदी - स्वयंवर उपविषय वस्तु :- अ) विवाह का महत्व आ) नारी की स्वतंत्रता में स्वयंवर की भूमिका इ) नैतिक मूल्यों की महत्ता पाठ्येतर विषय वस्तु *अर्थ के आधार पर वाक्यभेद *समीक्षाएं	विद्यार्थी अ) जीवन में विवाह के महत्व को समझ सकेंगे । आ) नारी की स्वतंत्रता में स्वयंवर की भूमिका को जान सकेंगे । इ) नैतिक मूल्यों की महत्ता को समझ सकेंगे।	विद्यार्थी अ) विवाह के महत्व को समझ कर प्राचीन विवाह पद्धतियों के गुण-दोष लिख कर नवीन पद्धतियों से उसकी तुलना कर सकेंगे। आ)1. नारी की स्वतंत्रता में स्वयंवर की भूमिका को जान कर स्वयंवर प्रथा के विषय में अपने विचार लिख सकेंगे । आ)2. स्वयंवर द्वारा चयनित और विवाहित वर-वधूओं की तालिका बना सकेंगे । इ) नैतिक मूल्यों की महत्ता को समझ कर द्रौपदी के चरित्र का चित्रण कर सकेंगे।

गृहकार्य:- पाठ से संबन्धित प्रश्न

क्रियाविधि:- प्राचीन विवाह पद्धति के गुण-दोष जानकर नवीन विवाह पद्धति से उसकी तुलना से संबन्धित ।

कक्षा :- सात

अध्यापिका की गतिविधि	विद्यार्थियों की गतिविधि	पाठ पढ़ने के बाद अध्यापिका का मंतव्य तथा निराकरण
पूर्व ज्ञान पर आधारित प्रश्न पूछेंगी:-परिशिष्टसंख्या :-11अ/१	पूर्व ज्ञान पर आधारित प्रश्नों के उत्तर देंगे:- परिशिष्टसंख्या :-11आ/१	*पाठ पढ़ाने के बाद लिखा जाएगा
काठिन्य निवारण हेतु गतिविधि :- परिशिष्टसंख्या :-11अ/२	काठिन्य निवारण हेतु गतिविधि में भाग लेंगे । परिशिष्टसंख्या :-11आ/२	
अध्यापिका के निर्देशन में विद्यार्थी उचित विरामचिन्ह के साथ शुद्ध उच्चारण का ध्यान रखते हुए पाठ पढ़ेंगे ।	विद्यार्थी उचित विरामचिन्ह के साथ शुद्ध उच्चारण का ध्यान रखते हुए पाठ पढ़ेंगे ।	
अध्यापिका के निर्देशन में विद्यार्थी अध्यापिका द्वारा निर्धारित अंश के व्याख्या का प्रयास करेंगे ।	विद्यार्थी निर्धारित अंशों की व्याख्या करेंगे ।	
अध्यापिका के निर्देशन में पाठ के अर्थ को आत्मसात् कर पाठ के अंत में दिये प्रश्नों के उत्तर देने का प्रयास करेंगे।	विद्यार्थी पाठ के अंत में दिये प्रश्नों के उत्तर देंगे।	
क्रियाकलाप हेतु क्रियाविधि :- परिशिष्टसंख्या :-11अ /3	अपनी गतिविधियों में भाग लेंगे। परिशिष्टसंख्या :-11आ/3	
अभ्यास हेतु कार्यपत्र :- परिशिष्टसंख्या :-11अ /4	अभ्यास हेतु दिये गए कार्यपत्र को पूर्ण करेंगे। परिशिष्टसंख्या :-11आ/4	

सहायक सामाग्री :- पाठ्य-पुस्तक ,स्मार्ट बोर्ड एवं संलग्न प्रपत्र १ कार्यपत्र ,२ क्रियाकलाप का विवरण

विधि:- १. पठन-पाठनविधि,२. उदाहरण विधि,३. काठिन्य निवारण विधि, ४. व्याख्या विधि ५.व्यास विधि

अन्तःविषय संबंध :- नैतिकता, कर्तव्य बोध, सामाजिक ज्ञान, इतिहास, मनोवैज्ञानिकता ।

विद्यालय भवन :- विद्यालय के पुस्तकालय में जाकर विवाह-पद्धतियों के विषय में पढ़ेंगे।

विभागाध्यक्ष

समन्वयक

उप-प्रधानाचार्य

प्रधानाचार्य

1.पूर्व ज्ञान से संबन्धित प्रश्न -परिशिष्टसंख्या -11अ/1

संभावित उत्तर

प्रश्न.1- कर्ण के माता-पिता कौन थे?

सारथी अधिरथ और राधा

प्रश्न.2- तो क्या वे अपने पिता की तरह रथ चलाते थे ?

नहीं ।

प्रश्न.3- कारण?

वे अंग देश के राजा भी थे ।

प्रश्न.4- क्या कर्ण अन्य राजकुमारों की तरह स्वयंवर में द्रौपदी से विवाह कर सकते थे? नहीं पता।

कथन:- आइये 'द्रौपदी - स्वयंवर' पाठ को पढ़ कर जानते हैं कि स्वयंवर में क्या हुआ ।

2.काठिन्य निवारण हेतु गतिविधि :- परिशिष्टसंख्या -11अ/2

*कक्षा को चार समूहों में विभाजित किया जाएगा।

*प्रत्येक समूह एक A 4 शीट पर निर्धारित अंश से कठिन शब्दों को लिखेगा ।

*समूह आपस में अदलाबदली कर अर्थ लिखने का प्रयास करेंगे।

*अध्यापिका उत्तर की पुष्टि कर विद्यार्थियों को उत्तर पुस्तिका पर अर्थ लिखने का निर्देश देंगी ।

3.क्रियाकलाप हेतु क्रिया विधि:- परिशिष्टसंख्या -11अ/3

* विद्यार्थियों को दस- दस के समूह में विभाजित किया जाएगा ।

* प्रत्येक समूह को प्राचीन विवाह पद्धति के विषय में सामान्य अध्ययन कर उनके गुण-दोष को जानने तथा नवीन विवाह पद्धति से तुलना करने का निर्देश दिया जायेगा।

* तत्पश्चात पठित विषय के आधार पर प्राचीन विवाह पद्धति के पक्ष अथवा विपक्ष में या नवीन विवाह पद्धति के पक्ष अथवा विपक्ष में अपने विचार को बिंदु के रूप में लिखने को कहा जायेगा ।

* अंत में प्रत्येक समूह अपने लिखित बिंदुवार विचार को कक्षा में प्रस्तुत करने को कहा जायेगा ।

*अंत में अध्यापिका कार्यपत्र करने के लिए देंगी ।

* प्रस्तुति पश्चात् अध्यापिका निर्धारित प्रारूप के आधार पर प्रस्तुति का मूल्यांकन करेंगी ।

*मूल्यांकन के मानदंड:-

क्रम संख्या	मूल्यांकन के क्षेत्र	अंक-10
1	विषय की प्रस्तुति	3
2	प्रभावोत्पादकता	3
3	भाषा का स्तर एवं शुद्धता	2
4	कार्य की पूर्णता	1
5	समयबद्धता	1

4. अभ्यास हेतु कार्यपत्र :- परिशिष्टसंख्या -11अ/4

कार्यपत्र

पाठ: द्रौपदी - स्वयंवर

गतिविधि : प्राचीन विवाह पद्धति

विद्यार्थी का नाम:

अनुक्रमांक:

प्रश्न.1. 'स्वयंवर-प्रथा' का अर्थ समझाइए | इस प्रथा के प्रति अपने विचार लिखिए |

प्रश्न.2. भारतीय इतिहास में द्रौपदी के समान ही स्वयंवर में किस-किस नारी ने किस-किस का वरण किया है ? वर-वधू की सूची बनाइए |

वर

वधू

- 1.
- 2.
- 3.
- 4.
- 5.

प्रश्न.3. गतिविधि करते हुए आपने अनुभव किया:
